सकने योग्य विभिन्न मूल्य के कितने करेंसी नोट राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा रिजर्व बैंक को भेज गए;

(ख) इन में विभिन्न मूल्य के कितने करेंसी नोट प्रतिवर्ष नष्ट किए गए तथा कितने पुनः प्रचालिन के लिए वापस किए गए

(ग) रद्द किए गए, सड़े-गले और कटे-फटे करेंसी नोटों को न बदलने तथा नए नोटों के पर्याप्त संख्या में जारी न करने के क्या कारण हैं; और.

(घ) 31 अक्तूबर, 1994 की स्थिति के अनुसार रिजर्व बैंक के पास नष्ट करने के लिए जमा करेंसी नोटों का ब्यौरा क्या हैं?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. देवीप्रसाद पाल) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही हैं और इसे सभा पटल पर रख दिया जाएगा।

पर्याप्त संसाधन जटाए जाने हेतु सुझाव

1297. **श्री अजीत जोगी** :

श्री एस. एस. सूरजेवाला :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें किः

(क) क्या 1995-96 के आर्थिक सर्वेक्षण में सामाजिक क्षेत्रों के दीर्घकालीन विकास के लिए केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा पर्याप्त संसाधन जुटाए जाने हेतु सुझाव दिया गया हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं; और

(ग) इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाए गए हैं/ अथवा उठाए जाने का विचार हैं?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. देबीप्रसाद पाल) : (क) से (ग) संसाधनों की सख्त तंगी के बावजूद सरकार पिछले तीन बजटों में सामाजिक क्षेत्रों के लिए केन्द्रीय पूल आवंटनों और गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों में काफी अधिक वृद्वि की हैं। सामाजिक क्षेत्रों के लिए उच्चतर बजटीय आवंटनों की निरन्तरता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वर्ष 1995-96 की आर्थिक समीक्षा में इस बात पर बल दिया गया हैं कि केन्द्र तथा राज्यों दोनों द्वारा उपयुक्त संसाधन जुटाने होंगे।

विद्युत नीति के विरूद्व विरोध

1298. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे :** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें किः

(क) क्या राज्य सरकारों ने केन्द्र सरकार की वर्तमान विद्युत नीति के विरूद्व अपना विरोध दर्ज किया हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या हैं;

(ग) केन्द्र सरकार उपरोक्त तथ्य को ध्यान में रखते हुए अपनी विद्युत नीति में कतिपय परिवर्तन करने का विचार रखती हैं;

(घ) क्या केन्द्र सरकार उपरोक्त तथ्य को ध्यान में रखते हुए अपनी विद्युत नीति में कतिपय परिवर्तन करने का विचार रखती हैं;

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं; औश्र

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल) : (क) जी, नहीं।

(ख) से (च) प्रश्न उत्पन्न नहीं होते।

Clearance of Hypothecation Accounts by PNB

1299. SHRI GHUFRAN AZAM:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether PNB, Zonal Office in Calcutta has not yet sorted out the issues pertaining to clearance of hypothecation accounts of various vehicle owners;

(b) whether in the case of some of the vehicle owners even after clearing their dues to the bank, prolonged litigations are still going on; and

(c) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (DR. DEBIPROSAD PAL): (a) Punjab National Bank (PNB) has reported that as per available records, no such issue pertaining to clearance of hypothecation accounts of various vehicle owners, is pending in the Zonal Office of the Bank at Calcutta.

(b) PNB has also reported that there is no such case reported to the bank where prolonged litigation is continuing even after dues to the bank are cleared.

(c) The bank has, however, mentioned that in one loan account in a branch at Calcutta, a suit was filed for non payment of dues. In the account, during the pendency of the suit, a compromise offered by third party was accepted in terms of which waivement of interest was